

बेस्ट नहीं, नेक्स्ट प्रैक्टिस पर फोकस हो : मशेलकर



जयपुर, 14 अप्रैल (ब्यूरो) : आपका भाग्य आपके हाथ में है। बेस्ट प्रैक्टिस के बजाए नेक्स्ट प्रैक्टिस पर फोकस हो तो परिणाम ज्यादा इनोवेटिव होंगे। यह विचार विश्व के ख्यातनाम वैज्ञानिक डॉ. आरए मशेलकर ने शुक्रवार को जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में व्यक्त किए। मशेलकर पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित हैं। कार्यक्रम में देशभर से आए स्टूडेंट्स, प्रोफेसर्स, वैज्ञानिक एवं बिजनेसमैन ने शिरकत की।

मशेलकर को यूनिवर्सिटी की ओर से प्रतिष्ठित जेकेएलयू लॉरिएट अवॉर्ड से नवाजा गया। जेके समूह के संस्थापक हरिशंकर सिंघानिया की स्मृति में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर

योगदान के लिए ख्यातनाम हस्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। अवॉर्ड का यह आठवां एडिशन था, इससे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी समेत अन्य नामचीन हस्तियों को सम्मानित किया जा चुका है। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर एचपी सिंघानिया, वाइस चांसलर प्रो. धीरज सांघी, प्रो वीसी आशीष गुप्ता ने यह पुरस्कार प्रदान किया। मशेलकर ने संबोधित करते हुए कहा कि बेस्ट प्रैक्टिस में हम किसी को फॉलो करते हैं, जबकि नेक्स्ट प्रैक्टिस में हम खुद मार्ग तय करते हैं, जो स्थाई सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है।